

पिता पुं. (तत्.) संतान का जन्म दाता पुरुष, जनक, बाप।

पितामह पुं. (तत्.) 1. पिता का पिता, दादा 2. ब्रह्मा 3. शिव 4. भीष्म।

पितिया पुं. (तद्.) पिता का भाई, चाचा।

पितियानी स्त्री. (तद्.) चाचा की स्त्री, चाची।

पितिया ससुर पुं. (तद्.) ससुर का भाई चचिया ससुर।

पितिया सास स्त्री. (तद्.) चचिया सास।

पितृ पुं. (तत्.) 1. पिता 2. मृत पूर्वज, पितर।

पितृऋण पुं. (तत्.) धर्मशास्त्रों के अनुसार मनुष्य के तीन ऋणों में से एक जिसे लेकर वह जन्म ग्रहण करता है।

पितृक वि. (तत्.) 1. पितृ संबंधी, पितरों का, पैतृक 2. पिता का दिया हुआ, पिता से प्राप्त, पैतृक, उत्तराधिकार से प्राप्त।

पितृकर्म पुं. (तत्.) पितरों के उद्देश्य से किए जाने वाले श्राद्ध तर्पण आदि कर्म।

पितृकल्प पुं. (तत्.) श्राद्धादि कर्म वि. (तत्.) पितृ तुल्य, पिता के समान।

पितृ कानन पुं. (तत्.) श्मशान, मरघट।

पितृकुल पुं. (तत्.) 1. पिता, दादा, परदादा और उनके भाइयों का वंश/कुल 2. कुटुंब।

पितृगण पुं. (तत्.) 1. पितर, 2. मरीचि आदि ऋषिपुत्र।

पितृगृह पुं. (तत्.) 1. पिता का घर 2. (स्त्री का) मायका, नैहर, पीहर 3. श्मशान, मरघट।

पितृग्रह पुं. (तत्.) स्कंद आदि नौ बालग्रहों में से एक।

पितृघात पुं. (तत्.) पिता की हत्या।

पितृघातक/पितृघाती वि. (तत्.) पिता की हत्या करने वाला।

पितृतंत्र पुं. (तत्.) ऐसी परिवार-व्यवस्था जिसमें पिता ही परिवार का प्रमुख होता है।

पितृतर्पण पुं. (तत्.) 1. पितरों के लिए किया जाने वाला तर्पण 2. तिल जिससे पितरों का तर्पण किया जाता है 3. गया नामक तीर्थ।

पितृता स्त्री. (तत्.) पितृत्व।

पितृतिथि स्त्री. (तत्.) पितरों की तिथि, अमावस्या।

पितृतीर्थ पुं. (तत्.) 1. गया नामक तीर्थ 2. अंगूठे और तर्जनी के बीच का भाग (जिसके द्वारा तर्पण का जल छोड़ा जाता है)।

पितृत्व पुं. (तत्.) पिता होने का भाव।

पितृदाय पुं. (तत्.) 1. पिता से प्राप्त 2. पूर्वजों की संपत्ति जो उत्तराधिकार में मिली हो 3. पैतृक संपत्ति।

पितृदिन पुं. (तत्.) अमावस्या।

पितृदेव पुं. (तत्.) 1. पितारूपी देवता 2. पिता को देवतुल्य मानने वाला व्यक्ति 3. देवतुल्य पितर 4. पितरों के अधिष्ठाता देवता।

पितृ पक्ष पुं. (तत्.) 1. अश्विन मास का कृष्ण पक्ष 2. पिता का कुल 3. पिता के संबंधी।

पितृ पर्व पुं. (तत्.) पितर-पूजा का उत्सव, श्राद्ध-पक्ष।

पितृ बंधु पुं. (तत्.) 1. पैतृक वंशानुक्रम के पुरुष 2. पितृवंशीय बंधु, पैतृक बंधु।

पितृ भक्त वि. (तत्.) पिता का भक्त, पिता की सेवा करने वाला तथा पिता का आज्ञापालक।

पितृभक्ति स्त्री. (तत्.) 1. पिता के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति, पिता के प्रति आदर और सेवा का भाव।

पितृभूमि स्त्री. (तत्.) पिता अथवा पूर्वजों की भूमि, जन्म भूमि।

पितृमनोग्रंथि स्त्री. (तत्.) माता से विरोध और पिता से लगाव की पुत्री की प्रवृत्ति।

पितृमेध पुं. (तत्.) एक प्रकार का वैदिक अंत्येष्टि कर्म।